>

Title: Need to set up Kendriya Vidyalays in Rohtas, Aurangabad and Kaimur districts of Bihar.

श्री महाबली सिंह (कारकाट): सभापति महोदय, बिहार राज्य के रोहतास, औरंगाबाद, कैमूर जिले अत्यंत पिछड़े और नक्सल प्रभावित हैं। वहां शिक्षण संस्थानों की कमी के कारण अधिसंख्यक लोग निरक्षर और बेरोजगार हैं, जिसके चलते वहां आतंकवादी, नक्सलवादी, उग्रवादी गतिविधियों को बल मिल रहा है। हम सदन के माध्यम से कहना चाहते हैं कि वहां केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए इस सदन में कई बार चर्चा की गई। बार-बार चर्चा करने के बाद भी आज तक उन जनपदों में केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना नहीं की जा सकी। इसके चलते बिहार के पठारी इलाके, जहां अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के लोग रहते हैं, गरीब लोग रहते हैं, गरीबी के कारण वे अपने बच्चों को शिक्षा नहीं दे पाते। केन्द्र सरकार ने केन्द्रीय विद्यालय की जो स्थापना की, उनमें गरीब लोगों को शिक्षा मिलनी चाहिए। लेकिन बहुत दुख के साथ कहना पड़ता है कि इस सदन में कई बार इस बारे में प्रश्न उठा कि रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, जमुई नक्सल प्रभावित जिले हैं और उनमें एक भी केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना आज तक नहीं हो पाई है। इस कारण अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और गरीब लोगों में बहुत असंतोष है। लोग नक्सल गतिविधियों से जुड़ते जा रहे हैं, इसका एक कारण शिक्षा का अभाव भी है। हम सदन के माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहते हैं कि उन नक्सल प्रभावित जिलों में केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना की जाए।